हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 39 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.6 डिग्री

11 स्वस्थ व समृद्ध लोकतंत्र में मतदान आम नागरिक का मौलिक अधिकारः एडीसी

12 नप का शहर को गोवंश मुक्त करने का दावा, फर्म ने अभी तक 80 गोवंश पकड़कर गोशाला में छोड़े

खबर संक्षेप

रास्ता रोककर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित के बयान पर 9 अप्रैल को विभिन्न धाराओं तहत केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की गई थी। जांच के बाद नीलगिरी कॉलोनी निवासी रवि को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल के बयान पर 14 अप्रैल को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद आकेड़ा निवासी साहिल और राहुल को गिरफ्तार किया गया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

जाटूसाना। थाना जाटूसाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए एक गाड़ी चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 25 अप्रैल को थाना क्षेत्र में हुए हादसे के बाद गाड़ी चालक फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में नांगल पठानी निवासी शिव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हुड़दंगबाजी करने के आराप में पांच युवक काबू

भाड़ावास। पुलिस चौकी ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करते हुए लोगों की शांति भंग करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार कनुका निवासी जितेन्द्र, जैतड़ावास निवासी मयंक, बेरवाल निवासी संदीप, मोहित व साहिल एक ढाबे के पास आपस में गाली-गलौज करते हुए लोगों की शांति भंग कर रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर पांचों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। बाद में आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर गया।

बाइक खड़ी करने को लेकर देवर-भाभी से मारपीट

रेवाड़ी। गांव करावरा मानकपुर में गली में खड़ी बाइक को लेकर कुछ लोगों ने देवर-भाभी पर हमला कर दिया। रोहड़ाई थाना पुलिस को दी शिकायत में करावरा मानकपुर के होशियार सिंह ने बताया कि बीती शाम को वह अपनी भाभी अनीशा के साथ बाइक पर सवार होकर पुराने घर पहुंचा था तथा बाइक को घर के बाहर खड़ी कर सामान लेने के लिए अंदर चले गए। तेज होर्न की आवाज सुनकर वह बाहर आया और बाइक को साइड करने लगा।कुछ बाइक सवारों ने उसके साथ झगड़ा शुरू कर दिया। शोर सुनकर उसकी भाभी भी बाहर आ गई और बीच-बचाव करने लगी।

ग्रामीणों ने पेड़ उखाड़ने पर जताया रोष, वन विभाग जांच के बाद लेगा एक्शन

हरियाली पर पब्लिक हेल्थ की जेसीबी चली नहीं ली वन विभाग से कोई अनुमति

मनोज बुलान ▶▶| रेवाड़ी

पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने अवकाश का दिन होने के कारण रविवार को बुड़ौली के जलघर में 100 से अधिक पेड़ों पर जेसीबी चला दी। पेड़ उखाड़ने से पहले विभाग की ओर से वन विभाग से अनुमति भी नहीं ली गई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग हरकत में आ गया है। विभाग ने पेड़ उखाड़ने की अनुमति से इनकार करते हुए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। गांव की करीब 10 एकड़ पंचायती जमीन पर जलघर बना हुआ है। जलघर की जमीन पर हजारों की संख्या में हरे पेड़ खड़े हुए हैं। पेड़ काटने के लिए नियमानुसार वन विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य होता है।

रेवाड़ी। काटे गए हरे पेड़ दिखाते ग्रामीण, काटे गए हरे पेड़ दिखाते ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

जन स्वास्थ्य विभाग के जेई ने 100 से अधिक पेड़ों को अवकाश के दिन जेसीबी से उखड़वा दिया। पेड़ उखाड़े जाने की सूचना मिलने के बाद सरपंच सतीश कुमार ने मौके पर जाकर जेई से पूछताछ की, तो उसने वन विभाग से अनुमति लेने का दावा किया। सरपंच ने अपने स्तर पर पता लगाया तो इस बात की जानकारी मिली कि जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से पेड़ उखाड़ने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई है। इसके बाद ग्राम पंचायत वन विभाग को इसी शिकायत दर्ज कराई। सरपंच ने संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए डीसी और फोरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों को शिकायत दर्ज कराई है।

बरसात के सीजन में लगाए गए थे पौधे

वन विभाग की ओर से हरियाली को बढ़ावा देने के लिए बरसात के सीजन में ही इस जमीन पर विभिन्न किस्मों के पौधे लगवाए थे। इनमें जांटी, कीकर व नीम के पौधे पेड़ बन चुके थे।

नए पौधों के साथ-साथ पुराने पेड़ों पर भी विभाग की जेसीबी चल गई, जिससे पर्यावरण संरक्षण को झटका लगा है। यह पेड़ रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए उखाड़े गए हैं, जिनकी जांच संबंधित अधिकारी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

अभी तक जमीन विभाग के नाम नहीं

सरपंच सतीश कुमार ने दावा किया कि यह जमीन अभी तक ग्राम पंचायत के नाम पर है। जमीन जलघर बनाने के लिए दी गई है, जबकि इसे अभी तक विभाग के नाम नहीं कराया गया है। इस जमीन पर पेड़ काटने का अधिकारी तक जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के पास नहीं है। ऐसे में विभाग के जेई ने पेड़ों को उखाड़ते समय नियमों को पूरी तरह ताक पर रखा है। मामले की जांच कराया जाना आवश्यक हो गया है।

जेई पर विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा

आरंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि जेई प्रवीन कुमार ने बिना अनुमति जेसीबी मशीनों से पेड़ उखड़वाए हैं। जेई के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है।
-संदीप कुमार, वन रजिक अधिकारी।

जेई से की जाएगी मामले में पूछताछ

यह मामला मेरी जानकारी में नहीं है। अगर ऐसा हुआ है, तो जेई से पूछताछ के बाद स्थिति साफ होगी। विभाग बिना अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई नहीं करता।
-रविंद्र गोठवाल, एक्सईएन, पब्लिक हेल्थ।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू चढ़ूनी की बैठक पांच को

■ पंचायत में निर्णय लिया गया कि किसानों के लिए खाद-बीज व फसलों की बिक्री पर समीक्षा होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की ओर से सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 5 मई को किसानों व मजदूरों की समस्याओं के लिए समीक्षा बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया। सोमवार को गांव कालाका में हुई पंचायत में निर्णय लिया गया कि किसानों के लिए खाद-बीज व फसलों की बिक्री पर समीक्षा होगी। इस मौके पर यूनियन के प्रधान समय सिंह ने कहा कि अगर सरकार ने किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने किसानों को 5 मई को किसान भवन में आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जिले में हुई ओलावृष्टि से किसानों की फसल खराब हो गई थी, जिन किसानों का पोर्टल पर कोई पंजीकरण नहीं था, उनको भी जल्द से जल्द बीमे के पैसे मिलने चाहिए। इस मौके पर किसान नेता वेद फोगाट, जगदीश गुर्जर, बाबूलाल, देवेंद्र कालका, शीशराम, राजकुमार एससी सेल, लक्ष्मी देवी, काजल कुमारी, सुरेंद्र सिंह व नीरज कुमार सहित अन्य किसान नेता मौजूद थे।

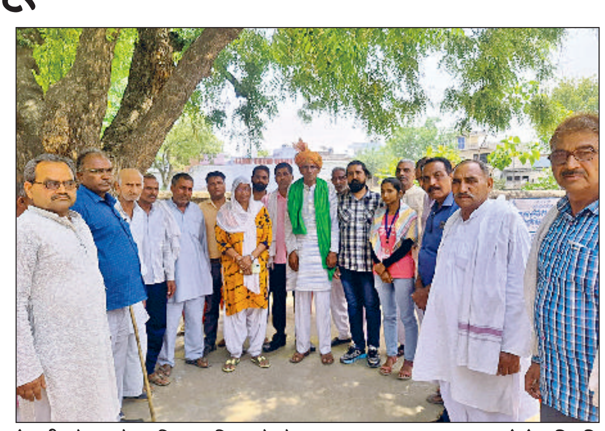

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित यूनियन के नेता। फोटो :हरिभूमि

महिला के साथ मारपीट के आरोप में देवरों पर केस

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने गुर्जर घटाल में महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में उसके दो देवरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस बयान में मुनेश कुमारी ने बताया कि उसके घर के सामने साइकिल का खेल दिखाने के लिए आए लोगों ने तंबू लगाया हुआ है। उसके देवरों सरजीत और अनिल ने रात को उन लोगों से तंबू हटाने को कहा।

उसने दोनों से कहा कि यह लोग बाहर के हैं। कल तंबू हटा लेंगे। महिला का आरोप है कि इसी बात को लेकर दोनों देवरों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके परिवार के सदस्यों ने आकर बचाव किया। इसके बाद वह अस्पताल में दाखिल हो गई, जहां उसका इलाज हुआ है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

बीआरसी ने एफएलएन ट्रेनिंग में शिक्षकों को दिए विशेष टिप्स

■ प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 शिक्षक भाग ले रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहड़ में चल रहे चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को खंड संसाधन समन्वयक डा. राजेंद्र यादव ने निरीक्षण किया। एफएलएन कोर्डिनेटर जयसिंह एवं खंड संसाधन समन्वयक कार्यालय से लेखा सहायक दिनेश सुरेहली भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर डा. राजेन्द्र यादव ने कहा कि खंड नाहड़ जिले में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा में अपना विशेष स्थान रखता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नवाचारों के प्रयोग में और बेहतर बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था एवं समय सारणी के लिए स्कूल के प्राचार्य शिवराज सिंह चौहान की प्रशंसा की। खंड संसाधन समन्वयक ने मुख्य प्रशिक्षक अंशु यादव, लक्ष्मी यादव, प्रियंका एवं सुरेंद्र के कार्य की भी सराहना की। रामानंद बीआरपी, सुरेता यादव , संगीता एबीआरसी, सुनीता यादव एबीआरसी, रेखा यादव एबीआरसी,धर्म सिंह सहित अनेक अध्यापक उपस्थित थे।

रेवाड़ी। शिक्षकों को संबांधित करते डा. राजेन्द्र यादव। फोटो :हरिभूमि

ग्रामीणों ने मंदिर कमेटी को तीसरी बार सौंपा दायित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

गांव खरखड़ा के हनुमान मंदिर में ठाकुरजी महाराज मंदिर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमेटी सदस्यों की ओर से ग्रामीणों के सामने वार्षिक लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया। इस दौरान पिछले महीने खरखड़ा में निर्मित हुए ठाकुरजी महाराज के भव्य मंदिर के लिए कमेटी सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए लगातार तीसरी बार पुनः मंदिर कमेटी को संचालन का दायित्व सौंपा गया। सराहनीय कार्यों के लिए सरपंच प्रतिनिधि ने माला पहनाकर सभी कमेटी सदस्यों का सम्मान भी किया। इस मौके पर कमेटी के प्रधान अजीत, उपप्रधान प्रेमपाल, सुंदरलाल सचिव, राकेश, भोपाल, कुशलपाल, मनोज, राज, धनीराम, लेखराम, सुभाष, इंद्रपाल व नंदू पंडित सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

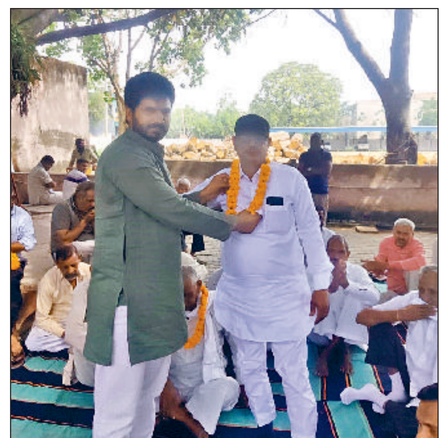

रेवाड़ी। कमेटी सदस्यों का सम्मान करते सरपंच प्रतिनिधि।

क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल मुकाबलों में छाए दिल्ली व हरियाणा के खिलाड़ी

■ आज पुरस्कार वितरण के साथ होगा राष्ट्रीय खेल महोत्सव का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

माध्यमिक शिक्षा हरियाणा तथा जिला प्रशासन की देखरेख में जिले में पहली बार आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय खेल महोत्सव के लड़कों तथा लड़कियों के अंडर-19 नेटबॉल मुकाबलों के चौथे दिन क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा व दिल्ली के खिलाड़ी छाए रहे। प्रतियोगिता प्रभारी भूपेंद्र यादव ने बताया कि चौथे दिन लड़कियों के वर्ग में हरियाणा की टीम ने आंध्रप्रदेश को 37-7, केरल ने राजस्थान को 21-14, छत्तीशगढ़ ने तमिननाडु को 21-9 तथा दिल्ली ने महाराष्ट्र को 28-23 से हराया। लड़कों के वर्ग में हरियाणा ने गुजरात को 32-11, पंजाब ने कर्नाटका को 34-11, दिल्ली ने महाराष्ट्र को 31-21 तथा छत्तीसगढ़ ने विद्या भारती को 15-12 से शिकस्त दी। यादव ने बताया कि पांच दिवसीय राष्ट्रीय खेल महोत्सव का 30 अप्रैल को फाइनल मुकाबलों व पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा। जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह खनगवाल ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद यादव, कोच चरण सिंह, सुनील कुमार व सतपाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। नेटबॉल के खिलाड़ी अतिथियों व कोच के साथ। फोटो :हरिभूमि

■ जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह खनगवाल ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया

धारूहेड़ा में श्री सांई बाबा की पालकी यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

श्री सांई सेवा समिति धारूहेड़ा की ओर से सोमवार को प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में 15वें सांई बाबा के जागरण से पूर्व श्रद्धालुओं ने श्री सांई बाबा कि पालकी यात्रा निकालकर शुभ संदेश दिया।

रात्रि को जागरण का आयोजन किया गया। बाबा की पालकी यात्रा सोहना रोड व बास रोड एप्रोच रोड होती हुई वापस हनुमान मंदिर परिसर में पहुंची। 30 अप्रैल को सुबह 10 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

रेवाड़ी। सांई सेवा समिति की ओर से पालकी निकालते हुए। फोटो :हरिभूमि

विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत

■ नशा मुक्ति कार्यक्रम से उसकी बुरी आदत से छुटकारा दिलाया जा सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जिला यूनिट की ओर से सोमवार को विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव तथा इसके कारण परिवार में होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया गया। निरीक्षक अनिल कुमार ने कहा कि युवा वर्ग आज नशे की लत में पड़कर न केवल अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि अपने परिवार को भी बर्बादी के कगार पर ले जा रहे हैं। आज समाज में होने वाले अधिकतर अपराधों का कारण नशे की लत है, जिसके प्रभाव में व्यक्ति अच्छे बुरे में भेद नहीं कर पाता और अपराध कर बैठता है, जिसका खामियाजा न केवल उसे बल्कि उसके पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। उन्होंने साथ ही विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपने परिवार व आस-पड़ोस में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को अवगत कराएं तथा इस प्रकार का कोई व्यक्ति जो नशे की गिरफ्त में है, सूचना जिला मुख्यालय को दें, जिससे नशा मुक्ति कार्यक्रम से उसकी बुरी आदत से छुटकारा दिलाया जा सके। इस अवसर पर नारकोटिक्स टीम के एसआई बलवंत सिंह, सहायक सब इंस्पेक्टर रोहतास, सुमित कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, कांस्टेबल दीपक तथा कांस्टेबल मनदीप के अलावा विद्यालय संचालक देवेंद्र शर्मा, प्राचार्य सुरेंद्र कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
30 अप्रैल 2024

सहेली

स्पेशल
वर्ल्ड लाफ्टर-डे, 5 मई

हंसी हमारे भीतर बैठे तनाव को खत्म ही नहीं करती, हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ भी रखती है। अच्छी बात यह है कि हंसने के मामले में महिलाएं कुदरती तौर पर पुरुषों से कहीं आगे होती हैं, खुलकर हंसना उनके स्वभाव में होता है। इस बात की पुष्टि कई शोधों से मिलती है। महिलाओं पर हुए ये शोध किन बातों को आधार बनाकर हुए, यह जानते हुए हम भी यह मानें कि हंसी हजार नियामत है।

कवर स्टोरी / विमला रस्तोगी

पुरुषों से कहीं ज्यादा हंसती हैं महिलाएं

किसी विद्वान ने कहा है, 'अगर तुम्हारे होंठों पर मुस्कान है और हृदय में एक कोई अच्छा गीत तो निश्चित रूप से तुम ऊंची आवाज में गाओ।' देखा जाए तो आज यही मुस्कान-हंसी बहुत दुर्लभ हो गई है। जिंदगी की आपा-धापी और तमाम तरह के तनावों के बीच आदमी हंसना भूलता जा रहा है।

हंसी-खुशी के बदल गए हैं मायने

आज इंसान के लिए हंसी-खुशी के मायने बदल चुके हैं। धनी और अधिक पैसा कमाने की, मध्य वर्ग सीमित आमदनी में ढंग से रहने की और गरीब निर्धनता से मुक्ति पाने, जीने की कशमकश में लगा रहता है। धनी वर्ग क्लबों, पार्टियों और होटलों में हंसी खोजने जाता है। गरीब के लिए अपने बच्चों के पेट भरने पर ली जाने वाली चैन की सांस ही उसके होंठों की मुस्कान बन जाती है। आजकल चिंताएं बिना किसी रुकावट के बिन मांगे ही मिल जाती हैं, लेकिन हंसी दुर्लभ है।

हंसी पर क्या कहते हैं शोध

व्यक्ति कब हंसता है? कितना हंसता है? आदमी ज्यादा हंसते हैं या महिलाएं? विदेशों में शोधकर्ता हंसी से संबंधित इन्हीं सब बातों पर शोध करने में लगे हैं। हंसने पर शोध करने वाले वर्जीनिया विश्वविद्यालय के वेड.सी. मैकी का कहना है कि अनेक स्थितियों में महिलाएं पुरुषों से जल्दी और अधिक हंसती हैं। लुइसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के शोधकर्ता भी हंसी पर अनुसंधान कर रहे हैं। अपने शोध के दौरान इन शोधकर्ताओं ने ढाई मिनट तक दो पुरुषों की मनोरंजक बातचीत टेप की और उसे कुछ अकेले बैठे पुरुषों को सुनाया। इसी टेप को शोधकर्ताओं ने बाद में महिलाओं को सुनाया, जो अकेली बैठी थीं तो उन्होंने पाया कि अकेली बैठी महिलाएं उस टेप को सुनकर अकेले बैठे पुरुषों की अपेक्षा अधिक खुल कर हंसीं। शोध से यह भी निष्कर्ष सामने आया है कि महिलाएं अन्य महिलाओं के साथ मिलकर ज्यादा हंसती हैं, जबकि पुरुष अपने वर्ग में बैठ कर सामान्य स्तर तक ही हंसते हैं। अब आप ही बताएं, कहीं चार महिलाएं बैठी ठहाके लगा रही हों तो लोग क्यों जलते हैं? महिलाओं पर 'खाली बैठे ठट्ठे मारने' का इल्जाम क्यों लगाया जाता है? ऐसा इल्जाम या हंसी के मामले में महिलाओं से जलन गलत है। क्या खुशमिजाज होना गलत है?

एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है

अमेरिका में लुइसियाना के ग्रामीण क्षेत्रों में और वर्जीनिया के शहरी क्षेत्रों में किए गए एक अध्ययन के अनुसार एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है। वैसे हंसने में महिलाएं ज्यादा सक्रिय देखी जाती हैं। शोधकर्ताओं ने एक सड़क पर कुछ नियत शब्दों में वयस्कों का स्वागत किया। कभी हंस कर, कभी बिना हंसे। आमतौर पर हंसी का उत्तर हंसी में मिला, लेकिन महिलाएं पुरुषों से ज्यादा हंसीं। शोध में एक और निष्कर्ष निकला कि पुरुष यदि पुरुष को देखकर मुस्कराता है तो अच्छा रेस्पांस मिलता है। लेकिन पुरुष महिला को देखकर मुस्कराए तो प्रत्येक महिला हंसकर रेस्पांस नहीं देती, इसका कारण हमारे बनाए सामाजिक दायरे हैं। महिलाओं को देखना होता है कि वह कहां और किसके साथ हैं? कहीं कोई उन पर अंगुली ना उठा दे। लेकिन यह तय है कि हंसना महिलाओं के स्वभाव में है। इसलिए उन्हें टोकना नहीं चाहिए।

सर्वत्र लागू होती है ज्यादा हंसने वाली बात

कोई कुछ भी कहे, महिलाएं कई मामलों में पुरुषों से बाजी मार ही लेती हैं। मसलन, पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं बोलती ज्यादा हैं, लड़ती ज्यादा हैं, सहती ज्यादा हैं, रोती ज्यादा हैं, इसी तरह हंसती भी ज्यादा हैं। यह बात पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण सर्वत्र समान रूप से लागू होती है। अधिक हंसने की आदत के कारण कुछ महिलाओं के 'हंसमुखी' या 'फुलझड़ी' जैसे नाम पड़ जाते हैं।

हंसी हजार नियामत

हंसने पर शोध की बात पर याद आती है अपनी एक परिचिता, जो हर बात पर हंसती है। हंसने वाली बात पर हंसे तो मुनासिब है, लेकिन वह दुख की बात पर भी हंस पड़ती है। उसका मानना है, दुख भी हंस कर सहो। अरे भई, हंस कर दुख सहने का यह मतलब तो नहीं कि हर समय बत्तीसी दिखाते रहो। क्या कहें उसे जो किसी को गिरता देख ले तो उसे हंसी आ जाए। गिरने वाला चाहे उसका भाई हो या पड़ोसी, जवान हो या बच्चा, किसी को बुरा लगे या भला, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसका कहना होता है, 'मैं क्या करूं, किसी को गिरता देख सबसे पहले मेरी हंसी ही छूटती है।' है न इस महिला की हंसी गजब की। काश! शोधकर्ता इस महिला पर शोध करते तो उन्हें खासे आंकड़े बदलने पड़ते। लेकिन जो भी कहा जाए, हंसी हजार नियामत है, हम खुद तो हंसें ही, दूसरों को भी हंसाकर उसे खुशी के पल दें। ❁

जब करें मजाक रखें इन बातों का ध्यान

अपनों के साथ हम मजाक करते ही हैं, यह हंसने-हंसाने का एक प्यारा-सा जरिया है। लेकिन मजाक कभी ऐसा ना करें कि सामने वाला हंसने के बजाय आहत हो। ऐसे मजाक बिल्कुल ना करें, जिसे आप स्वयं भी ना सह पाएं। मजाक एक सीमा में रहकर करें।

बिहेवियर / विवेक कुमार

बड़े-बुजुर्ग सही कहते हैं कि हंसी-मजाक एक सीमा तक ही अच्छे लगते हैं। अगर आपने इसकी हद पार कर दी तो यह हंसी-मजाक संबंधों के लिए घातक भी हो सकता है। आपने भी कई बार महसूस किया होगा कि किसी-किसी का मजाक आपके दिल में चुभकर रह गया। ऐसे तमाम किस्से भी सुने होंगे कि किसी ने, किसी दूसरे का इतना मजाक उड़ाया कि मजाक से पीड़ित व्यक्ति ने गुस्से में मजाक बनाने वाले से मारपीट तक कर ली। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें।

सीमा पार ना करें : मजाक हमेशा एक सीमा तक ही अच्छा लगता है। जैसे ही आपने किसी का मजाक बनाते हुए सीमाएं, मर्यादाएं पार कीं तो मजाक बनाए जाने वाला व्यक्ति बहुत अपमानित महसूस करता है। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, उसका सम्मान करते हुए महज मनोरंजन की सीमा तक ही यह करें। खास करके ऐसे व्यक्ति का तो मजाक कभी नहीं उड़ाना चाहिए, जो मजबूर हो और पलटकर आपको जवाब ना दे सके। इसी तरह किसी शख्स में अगर कोई जन्मजात कमी है, मसलन वह अंधा है, लंगड़ा है या वह बोल नहीं पाता, मोटा है, काला है, कद बहुत छोटा है, ऐसी शारीरिक स्थितियों का तो कभी भी मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। क्योंकि ऐसे व्यक्तियों का जब कोई मजाक उड़ाता है तो वह मजाक उन्हें गुदगुदाता नहीं है, अपमानित महसूस कराता है।

वही मजाक करें, जो आप भी सहन कर सकें : किसी भी व्यक्ति का उन्हीं बातों और संदर्भों को लेकर मजाक उड़ाना चाहिए, जिन बातों और संदर्भों को लेकर किए गए मजाक को आप खुद भी सहन कर सकें। किसी का ऐसी किसी बात के लिए मजाक ना उड़ाएं जैसी बात के लिए आप खुद मजाक सहन नहीं कर सकतीं। हम यह ना भूलें, जब हम किसी का मजाक उड़ाते हैं तो इसका हमारे संबंधों पर असर पड़ता है। जब हम जिसका मजाक उड़ाते हैं, अगर उसके मन में यह भावना आती है कि आप उसका अपमान कर रही हैं, तो चाहे वह कितना अच्छा दोस्त हो, उससे आपके रिश्ते सलामत नहीं रहेंगे। मजाक से विश्वास और दोस्ती दोनों के टूटने का खतरा रहता है। भले कुछ लोग कहते हों कि मजाक करके वह माहौल को हल्का-फुल्का और तनावमुक्त बनाना चाहते हैं, लेकिन यह एक बड़ा झूठ है। जब हम किसी का मजाक उड़ाते हैं तो माहौल हल्का नहीं होता, उस व्यक्ति के लिए तो बहुत ही तनावभरा हो जाता है।

क्या कहता है मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के मुताबिक कोई स्वस्थ व्यक्ति किसी का मजाक नहीं उड़ा सकता। हां, अगर कोई ऐसा व्यक्ति जो वाकई मनोरंजन के लिए या माहौल को हल्का-फुल्का करने के लिए मजाक का सहारा लेता है, तो वह दूसरों की बजाय सबसे ज्यादा खुद का ही मजाक उड़ाता है। मनोविज्ञान यह भी स्पष्ट करता है कि दूसरो का मजाक उड़ाकर हम अपने आपको महत्वपूर्ण बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन ऐसी कोई कोशिश कभी सफल नहीं होती।

लोगों को मौका ना दें : जब कोई व्यक्ति पहली बार आपका मजाक उड़ाने की कोशिश करे और आपको लगे कि आप उससे आहत हो रही हैं तो तुरंत उसे टोक दें। अगर पहली बार में ही टोक देंगी तो वो भविष्य में ना सिर्फ आगे बढ़ने से रुक जाएगा बल्कि यहां से भी पीछे लौट जाएगा। अगर आपने उसे आगे बढ़ने दिया तो वह भविष्य में अगर पीछे लौटने का हौसला भी दिखाएगा तो बार-बार इससे पीछे भी हट जाएगा। किसी से दबकर तो अपना मजाक कभी भी नहीं उड़वाना चाहिए। क्योंकि अगर सामने वाले को लग गया कि आप उससे दबे हुए हैं, इसलिए उसकी मजाक को सहन कर रहे हैं तो वह फिर और दबाता जाएगा। यह कभी नहीं भूलें, मजाक हंसने-हंसाने के लिए होते हैं, दिल को दुखाने के लिए नहीं। ❁

एडवाइस / विनीता

अपने आप से क्यों रखें शिकायत

हर इंसान से जीवन में कोई ना कोई गलती हो जाती है। ऐसी गलती भी हो जाती है, जिसमें अपना ही नहीं, अपने किसी प्रिय का नुकसान हो जाता है। यह गलती जानबूझ कर नहीं, अनजाने में हो जाती है फिर भी हम अपने आपको दोषी मानते हैं। एक तरह से अपराधबोध से ग्रस्त हो जाते हैं। लंबे समय तक ऐसी मनःस्थिति मेंटल हेल्थ के लिए ठीक नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना जरूरी है। लेकिन उबरें कैसे, जानिए-

हमेशा खुद को दोषी ना समझें: कुछ लोग किसी भी काम में कोई गलती होने पर खुद को दोषी मान लेते हैं, इन्हें अपने आपसे शिकायत हो जाती है। ऐसे लोग अपने आपको कोसने लगते हैं। ऐसी स्थिति में उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ जाता है। इसलिए अगर आपसे कभी कोई गलती हो भी जाए तो लगातार उसके बारे में सोचकर उदास-निराश होने के बजाय उसे सुधार कर आगे बढ़ जाएं।

हीनभावना से बचें : किसी गलती के लिए खुद को लंबे समय तक दोषी समझने या अपराधबोध से ग्रस्त होने के कारण मन में हीनभावना जन्म ले लेती है। इससे व्यक्ति को ऐसा लगता है कि वह दिमागी रूप से बहुत कमजोर है, इसी कारण अकसर उसी से ही गलतियां होती हैं। वह असक्षम है। अपने बारे में ऐसी बातें ना सोचें। यह तभी संभव होगा, जब आप अपने लिए कुछ अच्छा सोचेंगी। अपनी सोच सकारात्मक रखेंगी।

स्वयं रखें अपना ध्यान: आज की इस भागम-भाग वाली जिंदगी में लोगों के पास दूसरों के लिए समय नहीं है। अधिकांश लोग सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं, इसलिए आपको अपना ध्यान खुद ही रखना होगा, तभी आप खुश रहेंगी, जीवन में कामयाब होंगी। इसके लिए आपको अपनी कमियों और गलतियों के प्रति सचेत रहना होगा, अपनी आदतों को निरंतर सुधारने की कोशिश करनी होगी।

खुद को दें शाबासी: हमेशा कुछ नया सीखने और करने का प्रयास करें। अपना आत्मविश्वास और आत्मबल बढ़ाएं। इसके लिए जब भी किसी कार्य में आपको सफलता मिले तो उसके बारे में सोचकर खुद पर गर्व महसूस करें। अपने आप को शाबासी भी दें। जब आप खुश होकर अपने बारे में सकारात्मक नजरिया रखेंगी तो आपके मन में खुद के प्रति कोई शिकायत नहीं रहेगी। ❁ **(मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद से हुई बातचीत पर आधारित)**

हेल्थ एडवाइस / अंजू जैन

हर महिला के जीवन में मेनोपॉज स्टेज के दौरान और उसके बाद कई फिजिकल-मेंटल चेंज होते हैं। इससे कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसके लिए यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

मेनोपॉज के बाद ऐसे करें सेल्फ केयर

आमतौर पर मेनोपॉज को हड्डियों की कमजोरी और ब्रेस्ट कैंसर की बड़ी वजह माना जाता रहा है, लेकिन सच यह है कि अगर ध्यान न दिया जाए तो मेनोपॉज महिलाओं के लिए कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सबब भी बन सकती है।

गम्स प्रॉब्लम: नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसायटी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जोएन वी. पिंकर्टन कहती हैं, 'मेनोपॉज की स्थिति में जब महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम हो जाता है तो उनमें दांत ढीले होने और गम्स प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। कुछ महिलाएं ड्राइ माउथ, मसूढ़ों में जलन और दर्द भी महसूस करती हैं। ऐसे में उन्हें ओरल हाइजीन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।'

स्लीप एप्निया: विस्कोंसिन स्लीप कोहर्ट स्टडी के आधार पर पिंकर्टन बताती हैं कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल भी कम हो जाता है, जिससे ब्रीदिंग डिस्टर्ब होती है और स्लीप एप्निया की समस्या हो जाती है। कई महिलाओं में दिन में नींद ज्यादा आने, सिरदर्द और एंग्जायटी की समस्या होने लगती है।

डायबिटीज: अमेरिका की नेशनल हेल्थ स्टडी में वूमेंस हेल्थ इनीशिएटिव के मुताबिक जिन महिलाओं में 46 साल की उम्र से पहले या 55 साल के बाद मेनोपॉज होता है, उनमें टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ जाता है। गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. किरण कोएलो कहती हैं, 'एस्ट्रोजन हार्मोन ग्लूकोज लेवल को स्थिर रखता है। इस हार्मोन का स्तर कम होने पर शरीर में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ जाता है। साथ ही फैट भी ज्यादा जमा होने लगती है। इसके अलावा इससे पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, हाई बीपी और जेस्टेशनल डायबिटीज का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए रेग्युलर चेक-अप करवाना चाहिए और ओवरवेट होने से भी बचें।'

हार्ट डिजीज: मेनोपॉज से पहले, एस्ट्रोजन हार्मोन से शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है, खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और हाई बीपी कंट्रोल होता है। लेकिन जब मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का लेवल कम होने लगता है तो हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में नियमित 30 मिनट की एक्सरसाइज, प्लांट बेस्ड डाइट लेना और स्मोकिंग से बचना जरूरी है।

ईटिंग डिसऑर्डर: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ईटिंग डिसऑर्डर्स में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, मेनोपॉज के बाद महिलाओं में जो शारीरिक परिवर्तन आते हैं, उनसे ईटिंग डिसऑर्डर और नेगेटिव बॉडी इमेज की समस्या भी होती है। दरअसल, यह स्थिति सिर्फ शारीरिक ना होकर मानसिक और सामाजिक भी हो जाती है। महिलाओं के दिमाग में बेचैनी और उथल-पुथल होने लगती है। खुद को फिट और खूबसूरत दिखाने के लिए महिलाएं हेल्दी ईटिंग नहीं करतीं और डाइटिंग करने लगती हैं।

यूरीनरी प्रॉब्लम्स: स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर स्मिता गुटगुटिया के अनुसार, 'मेनोपॉज के बाद यूरीनेशन पर कंट्रोल कम होने की समस्या कई महिलाओं को होती है। ऐसा एस्ट्रोजन का लेवल कम होने से यूरेथ्रा के पतले होने के कारण होता है। साथ ही एजिंग, नॉर्मल डिलीवरी आदि के कारण पेल्विक फ्लोर मसल्स कमजोर होने से भी ऐसा होता है। साथ ही इस उम्र में बार-बार यूरीनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन भी होता है। इस समस्या से राहत के लिए कीगल एक्सरसाइज, पर्याप्त पानी पीना और गायनेकोलॉजिस्ट की सलाह से सावधानियां बरतना हेल्पफुल हो सकता है।' ❁

सीजनल टिप्स / संध्या सिंह

जब समर सीजन के लिए सेलेक्ट करें ड्रेस-एक्सेसरीज

गर्मी के मौसम में हर कोई ऐसी ड्रेसेस और एक्सेसरीज सेलेक्ट करना चाहता है, जिससे सुकून मिले। इसलिए इन पर ध्यान देना जरूरी है।

सुकून देने वाले कलर्स : अपनी ड्रेस कलर च्वाइस से भी आप गर्मी को मात दे सकती हैं। गर्मियों में डिजाइन कैसी भी हो, मैटेरियल कैसा भी हो लेकिन अगर कलर सुटेबल नहीं हो तो सुकून नहीं मिलता है, परेशान करने वाली बेचैनी बनी रहती है। इसलिए बेहतर है कि व्हाइट कलर ड्रेसेस को प्रेफरेंस दें। यह कलर गर्मी को सोखता नहीं है, उसे रिफ्लेक्ट कर देता है इसलिए गर्मियों में इस कलर की ड्रेसेस ही चुनें। डार्क और ब्लैक कलर ड्रेसेस को अवॉयड ही करें। ब्लू कलर भी ज्यादा यूवी किरणों को सोखता है, इसलिए इस मौसम में गहरे रंगों से दूर रहें। लाइट ग्रीन, ऑरेंज, यलो और स्काई ब्लू कलर ही इन दिनों सुकून पहुंचाते हैं।

ऑफ शोल्डर टॉप-हाफ पैंट्स : इस मौसम में बहुत चुस्त और फिटेड ड्रेसेस ना अच्छे लगते हैं और ना ही आरामदायक होते हैं। इस लिहाज से कॉटन मेड ऑफ शोल्डर टॉप और हाफ पैंट्स, उन टीनएज गर्ल्स और यंग वूमेन के लिए परफेक्ट ड्रेस है, जो गर्मियों में आउटिंग पर जा रही हों। हालांकि इसे फ्रेंड्स के साथ गेट-टू-गेदर में भी कैरी कर सकती हैं, क्योंकि इस ड्रेस में यंग वूमेन खूब फबती हैं। यह ड्रेस कॉम्बिनेशन मॉडर्न लुक तो देती ही है, इससे सुकून भी मिलता है। इसके अलावा लॉन्ग कुर्ती, प्लीटेड स्कर्ट, व्हाइट शर्ट, लिनेन जैकेट और कॉटन टी-शर्ट विद पलाजो, गर्मियों के लिए अच्छी च्वाइस हैं।

हील्स को कहें बाय-बाय: अप्रैल, मई और जून माह में उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में जिस तरह की गर्मी पड़ती है, वैसे मौसम में हाई हील्स को बाय-बाय कहने में ही समझदारी है। दरअसल, गर्मी के मौसम में देर तक हील्स पहनने से पैर की अंगुलियों पर बहुत दबाव महसूस होता है। इस दौरान लगातार हील्स पहनने से पैरों की शेप तक बिगड़ जाती है। चूंकि हील्स पहनने से सेंटर ऑफ ग्रेविटी का आगे की ओर खिसक जाता है, इसलिए खड़े होने पर न चाहते हुए भी पीठ झुक जाती है। यह कई बार असहनीय पीठ दर्द का कारण बन जाता है। इसलिए हील्स पहनने से बचें।

कंफर्टेबल फुटवियर : शॉर्ट ड्रेसेस की तरह गर्मी के मौसम में फुटवियर भी कंफर्टेबल ही पहनें। फुटवियर हमारे पैरों को राहत ही नहीं देते, ये हमें स्टाइलिश भी बनाते हैं। इसलिए स्नीकर्स पहनते समय जमीन से सटी सैंडिल या हाई हील्स की तरफ भूलकर भी ना देखें। बेचैन करने वाली गर्मियों में यह पक्का डिसाइड कर लें कि इस मौसम में जो कुछ पहनेंगी कंफर्टेबल ही पहनेंगी।

पैरों को दें नमी : शॉर्ट ड्रेस पहनते समय पैरों की त्वचा का ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि इनमें ज्यादातर समय पैर सीधे धूप, मिट्टी और गर्म हवाओं को सहते हैं। इसलिए अपने पैरों को इन परेशानियों से बचाने के लिए लेग्स को नियमित मॉयश्चराइज करती रहें वरना आपके पैरों की स्किन ड्राय और डल हो जाएगी। ❁

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

स्वस्थ व समृद्ध लोकतंत्र में मतदान आम नागरिक का मौलिक अधिकार: एडीसी

एडीसी अनुपमा अंजलि ने लघु सचिवालय से मतदाता जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला प्रशासन लोकसभा आम चुनाव को लेकर जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसके लिए जिले में अनेक प्रकार की स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। एडीसी एवं स्वीप गतिविधियों की जिला नोडल अधिकारी अनुपमा अंजलि ने सोमवार को डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा के मार्गदर्शन में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की प्रचार टीम के साथ मतदाता जागरूकता

रेवाड़ी। मतदाता जागरूकता वाहन को रवाना करती एडीसी अनुपमा अंजलि व मतदाता जागरूकता रैली निकालते रेडक्रास सचिव व वालेंटियर्स। फोटो : हरिभूमि

वाहन को लघु सचिवालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मतदाता जागरूकता वाहन गांवों व शहर में मतदाताओं को 25 मई को मतदान के दिन मतदान करने के लिए जागरूक करेगा। इस अवसर पर एडीसी अनुपमा ने कहा कि सभी मतदाता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आने वाली 25 मई को मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि युवाओं सहित वरिष्ठ नागरिकों व महिलाओं को भी मतदान के दिन पूरी सक्रियता के साथ प्रतिभागिता कर अपने घर, गांव और आसपास के लोगों को भी मतदान करने के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व समृद्ध लोकतंत्र में मतदान आम नागरिक का मौलिक अधिकार है, जिसका प्रयोग उन्हें अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार में अनेक प्रकार की शासन व्यवस्थाएं प्रचलित है। इसमें लोकतंत्र सबसे सटीक व लोकप्रिय है। लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है जब मतदाता जागरूकता हों। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूक होंगे तभी अपना अधिकार को अच्छी तरह से समझेंगे। इस अवसर पर डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, सचिव रेडक्रॉस सोसायटी महेश गुप्ता व प्रवक्ता सुधीर यादव सहित डीआईपीआरओ विभाग के लोक कलाकार मौजूद थे।

जागरूकता रैली से दिया मतदान करने का संदेश

आमजन को मतदान करने के प्रति जागरूक करने के लिए जिला रेडक्रास सोसायटी सचिव महेश गुप्ता व ओम प्रकाश गांधी प्रवक्ता के नेतृत्व में सोमवार को मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रेडक्रास वालेंटियर्स के सहयोग से निकाली गई रैली गढ़ी बोलनी रोड, शिव चौक, बाल भवन, ब्रास मार्केट व बस स्टैंड होती हुई रेडक्रास भवन में आकर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव ने कहा कि 18 वर्ष की आयु से अधिक व्यक्ति, दिव्यांगजन, बुजुर्ग व महिला सभी को मतदान करना चाहिए। रेडक्रास स्टाफ की ओर से गांवों में भी घर-घर जाकर लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया जा रा है। महेश गुप्ता ने कहा कि मतदान मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ हमारे लोकतंत्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यह महसूस करते है कि हमारे एक वोट से क्या होगा या हमारा वोट कोई मायने नहीं रखता, ऐसा सोच कर हम वोट डालने नहीं जाते।

खबर संक्षेप

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयप्रकाश का निधन

रेवाड़ी। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयप्रकाश पुरोहित का सोमवार की सुबह गुरूग्राम के निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार कुतबपुर स्थित श्मशान घाट पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता व शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए। उनके जयेष्ठ पुत्र एडवोकेट रूपांश पुरोहित ने उनको मुखाग्नि दी।

रेवाड़ी। कांग्रेस पार्टी ज्वाइन करते संगठन के पदाधिकारी।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन ने ज्वाइन की कांग्रेस

रेवाड़ी। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल यादव सहित संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सोमवार को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में चंडीगढ़ में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली। एआईटीयूसी से संबद्ध संगठन के रोडवेज विभाग से प्रधान बाबूलाल यादव के नेतृत्व में महेंद सिंह यादव, देवेंद्र तिवाड़ी, अजय शर्मा, विद्यासागर, मामराज, बलबीर, कैलाश चंद, रामनिवास शर्मा, बहादुर सिंह, बीरसिंह, कालाराम, सुरेश कुमार, बिहारीलाल, रामौतार, शक्तिसिंह, रोहतास, छतरसिंह, बिरेंद्र सिंह व होशियार आदि मौजूद रहे।

दो बाइक की टक्कर में दो भाई घायल

रेवाड़ी। रेवाड़ी-महेन्द्रगढ़ रोड स्थित रालियावास के पास दो बाइकों की टक्कर में दो भाई घायल हो गए। रामपुरा थाना पुलिस को दी शिकायत में महेन्द्रगढ़ जिले के जेरपुर निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि 28 अप्रैल को वह अपने ताऊ के लड़के जितेन्द्र के साथ बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से रेवाड़ी आए थे। जब वह वापस जा रहे थे तो रालियावास के पास आगे चल रहे बाइक सवार ने बिना कोई संकेत दिए बाइक को मोड़ दिया, जिससे उनकी बाइक से टक्कर हो गई तथा वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से करवानें के लिए प्रशासन ने कसी कमर, अधिकारियों व कर्मचारियों को दिए जरूरी निर्देश

लोकसभा चुनाव के लिए पीओ-एपीओ का प्रशिक्षण शुरू, ईवीएम व वीवीपैट संचालन की दी गई ट्रेनिंग

एसडीएम बोले मतदान कराना बहुत ही संवेदनशील व जिम्मेदारी का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पीओ व एपीओ को जानकारी देते एसडीएम विकास यादव व शिविर में प्रशिक्षण लेते हुए पीओ व एपीओ पीओ व एपीओ को ईवीएम व वीवीपैट का प्रशिक्षण देते ट्रेनर। फोटो :हरिभूमि

लोकसभा आम चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके, बिना किसी रूकावट व गड़बड़ी के संपन्न कराने के लिए सोमवार को जैन पब्लिक स्कूल में डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा के मार्गदर्शन में पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को एसडीएम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी विकास यादव की अध्यक्षता में ईवीएम व वीवीपैट का ऑन हैंड प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों ने पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को ईवीएम व वीवीपैट की संपूर्ण प्रक्रिया बारे में बारीकी से जानकारी दी तथा ईवीएम और वीवीपैट मशीन को चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। मास्टर ट्रेनरों ने मतदान के दिन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल करने, पोलिंग एजेंट्स की मौजूदगी में मॉक पोल करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चुनाव सामग्री को संभालने के बाद पीठासीन अधिकारी को अपने बूथ पर पहुंचकर सबसे पहले बूथ का निरीक्षण करना चाहिए। बूथ के अंदर किसी राजनेता की तस्वीर व स्टीकर नहीं लगा होना चाहिए। यदि कोई तस्वीर है तो उसे ढक दें या फिर कहीं और रखवा दें। मतदान केंद्र में ईवीएम मशीन का स्थान खिड़की से दूर होना चाहिए ताकि मतदान की गोपनीयता बनी रहे। यह भी ध्यान रखे कि प्रत्येक मतदाता ईवीएम का बटन स्वयं दबाए। कोई मतदाता कुछ पूछता है तो उसका जवाब बूथ पर नियुक्त पोलिंग पार्टी के सदस्य दे सकते हैं। मतदाता के साथ कोई दूसरा आदमी ईवीएम के समीप न जाए।

मतदाता भी लें ईवीएम व वीवीपैट का प्रशिक्षण

एसडीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। लोगों को ईवीएम व वीवीपैट से संबंधित जानकारी दी जा रही है। ईवीएम में मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार के सामने वाले बटन को दबाकर उसे वोट देता है। ऐसे में वोट उसी प्रत्याशी को पड़ा है या नहीं इसमें वीवीपैट की अहम भूमिका रहती है। ईवीएम में वोट के बटन को दबाने के 7 सेकंड बाद ही वीवीपैट एक पर्ची जनरेट करती है, जो उस चिह्न की रहती है, जिसे मतदाता ने वोट दिया है। अगर बटन दबाने के बाद कोई दूसरा चिन्ह वीवीपैट पर दिखे, तो समझ लीजिए कि ईवीएम ठीक नहीं है, लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है। मतदाता ने जिस प्रत्याशी को वोट दिया है, उसी की स्लिप वीवीपैट पर दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण लेने से नए मतदाताओं को वोटिंग के दिन घबराहट भी नहीं होगी। वह तस्सली से मतदान कर सकते हैं।

चुनाव की जिम्मेदारी पोलिंग पार्टी की

सहायक निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान केंद्र पर चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने की सारी जिम्मेदारी पोलिंग पार्टी की होती है। ऐसे में पोलिंग स्टाफ को लेकर भारतीय निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निदेर्शों का अच्छी प्रकार से अध्ययन अवश्य करें। किसी विषय को लेकर संशय भी हो तो आपस में बातचीत कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने पीओ-एपीओ को मॉक पोल, 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग मतदाताओं व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने, ईडीसी के लिए फार्म 12-ए, पोस्टल बैलेट के लिए फार्म 12 तथा मतदान केंद्र से संबंधित विभिन्न फार्म के बारे में भी आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर एसडीएम एवं एआरओ कोसली उदय सिंह व सीटीएम लोकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ईवीएम मशीन खिड़की से दूर रखें

इस अवसर पर एसडीएम विकास यादव व बावल एसडीएम मनोज कुमार ने कहा कि मतदान कराना बहुत ही संवेदनशील व जिम्मेदारी का काम है और पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को यह कार्य पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव कराना भी देश सेवा है, जिसमें अधिकारी इस सेवा का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करें।

प्रचार-सामग्री की दूरी का रखें ख्याल

एआरओ ने कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतदान सुबह 7 बजे शुरू हो जाना चाहिए। इसलिए अपनी मॉक पोल की प्रक्रिया सुबह 5:30 बजे से शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। इस समय कुछ मतदाता कतार में लगे हुए हैं तो उनको लाइन में पीछे खड़े मतदाता को पर्ची क्रमांक एक से शुरू कर पहले व्यक्ति तक पर्ची नंबर बांट दें, जिससे कि और मतदाता लाइन में लगकर खड़े न हो सकें। उन्होंने कहा कि बूथ पर जाकर प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंट के फार्म पहले दिन ही भरवा लें। इसके लिए फार्म नंबर दस भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि भारतीय लोकतंत्र में मतदान प्रक्रिया का विशेष महत्व है। ऐसे में पोलिंग स्टाफ को मतदान केंद्र पर ऐसा कोई भी आचरण नहीं करना चाहिए।

मोबाइल एप्स करेंगे हर समस्या का हल

- एप्स का प्रयोग करके मतदाता व उम्मीदवार सरल तरीके से घर बैठे ही ले सकते चुनाव से संबंधित नवीनतम जानकारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष मतदान को बनाए एप्स

मतदाताओं की सुविधा के लिए 18वें लोकसभा आम चुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अनेक ऑनलाइन मोबाइल एप शुरू किए हुए हैं, जो मतदाताओं के साथ-साथ उम्मीदवारों के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इन एप्स का प्रयोग करके मतदाता व उम्मीदवार सरलतम तरीके से घर बैठे ही चुनाव से संबंधित नवीनतम जानकारियां ले सकते है तथा अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने बताया कि 18 साल का कोई भी युवक या युवती अपना वोट बनवाना चाहता है तो वह वोटस.ईसीआई.इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इसी प्रकार भारत निर्वाचन आयोग ने सी-विजिल के नाम से एक मोबाइल एप शुरू किया है। इस मोबाइल एप को डाउनलोड कर कोई भी नागरिक आदर्श आचार संहिता की कहीं अवहेलना हो रही है तो उसकी फोटो या वीडियो बनाकर अपनी शिकायत भेज सकता है, जिसका निवारण निर्वाचन कार्यालय की ओर से 100 मिनट के अंदर किया जाएगा। डीसी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने कैंडिडेट नॉमिनेशन एप्लीकेशन के नाम ऑनलाइन नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए भी एप बनाया है। कोई भी प्रत्याशी इस एप का प्रयोग कर अपने आवेदन को इस एप पर ऑनलाइन दर्ज करा सकता है। इसमें ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से अपनी जमानत राशि जमा करने का विकल्प प्रदान किया गया है।

स्लिप डाउनलोड करने के लिए एप

भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ एप के माध्यम से मतदाताओं की डिजिटल पहचान करने की सेवा शुरू की है। मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप को अपने ईपीआईसी कार्ड से जोड़कर अपनी मतदाता पर्ची को डाउनलोड कर सकते हैं। वोटर टर्नआउट एप में कुल जनसंख्या के अनुपात में बने वोटों की संख्या को देखा जा सकता है। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए आयोग ने पीडब्ल्यूडी एप आरंभ किया है। इस एप का प्रयोग कर दिव्यांगजन अपने नाम व मतदाता पहचान पत्र की जांच कर सकता है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए ग्रामीणों को मतदान करने का संकल्प दिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गोकलपुर में महिलाओं को जागरूक करते कलाकार।

लोकसभा आम चुनाव में बढ़-चढकर मतदान करने व मतदान ग्राफ में बढ़ोतरी के लिए जिला प्रशासन की ओर से जिले में चलाए जा रहे स्वीप अभियान के तहत सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की प्रचार टीम गांव-गांव पहुंचकर आमजन को वोट डालने के लिए जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि विभाग के पार्टी कलाकार ढोलक, चिमटा व हारमोनियम की बेहतरीन धुनों पर मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले गीत व भजन गाते हुए लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भजन मंडली कलाकारों की ओर से लोगों से लोक गीतों व भजनों के माध्यम से लोकतंत्र के महापर्व में पूर्ण भागेदारी करने का आह्वान किया जा रहा है। कलाकारों ने सोमवार को गांव गोकलपुर में ग्रामीणों को लोकतंत्र के महापर्व में शत प्रतिशत मतदान करने लिए जागरूक किया तथा मतदान करने का संकल्प भी दिलाया।

परेशानी

खरीद के बाद सड़क पर पड़े कट्टों से बिखर रही सरसों, कई सरसों के बैग वाहन चढ़ने से फटे

तीन दिन खरीद बंद रहने पर भी लिफ्टिंग कमजोर, आज हैफेड खरीदेगी सरसों

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले की रेवाड़ी, बावल व कोसली अनाजमंडियों में तीन दिन सरसों की लिफ्टिंग की गई। तीन दिन सरसों खरीद बंद रहने पर अनाजमंडियों में उठान पूरा नहीं हो पाया है। अनाजमंडी में सरसों की लिफ्टिंग काफी कमजोर चल रही है। अभी भी रेवाड़ी अनाजमंडी में सड़क पर काफी मात्रा में सरसों खुले में पड़ी हुई है तथा सरसों के बैग के चट्टे लगे हुए है। अनाजमंडियों से अभी तक 60 प्रतिशत सरसों का ही उठान हो पाया है, जबकि सरसों के लाखों बैग खुले में व फड पर पड़े हुए है। सड़कों पर पड़े काफी कट्टों से सरसों बिखरने के साथ कई कट्टे वाहनों के चढ़ने से फट भी गए है। 30 अप्रैल से अनाजमंडियों में फिर से सरसों की सरकारी खरीद शुरू हो जाएगी। रेवाड़ी अनाजमंडी में वेयरहाउस की जगह अब हैफेड सरसों की खरीद करेगी। उठान धीमा होने के कारण अनाजमंडी में फिर से जगह की समस्या पैदा होने वाली है।

रेवाड़ी। सोमवार को सरसों की लिफ्टिंग करते कर्मचारी।

कोसली अनाज मंडी में सरसों खरीद का शेड्यूल

कोसली अनाजमंडी में 30 अप्रैल को गांव पृथ्वीपुरा, नया गांव जाटों वाला, सिहास, खेड़ी नांगल, लुहाना, नठेड़ा, सुरहेली, मुमताजपुर, लाला, नांगलिया रणमौख, धारौली, पाल्हावास, कोहारड़, नाहड़, नांगल खेड़ी, रोझुवास, उष्मापुर, बुड़ौली, ढाणी बाढ ठेठर, श्यामनगर, लिलोड़, चक खारजी बहू, मुसेपुर, मुबारिकपुर, सादतनगर, नेहरूगढ़, सुधराना, रोहड़ाई, गोरिया, मौतला कलां, कंवाली, 1 मई को खुशपुरा, मसीत, खर्शीदनगर, लिसान, गोठड़ा, फतेहपुरी टप्पा डहीना, रामपुरी, काहड़ी, पहराजवास, जाटूसाना, रसूलपुर, बिरड़, चांग, ढाणी साल्हावास, निमोठ, हुमांयुपुर, जमालपुर, मालियाकी, सैदपुर, चांदनवास, गाधला, चौकी नं.-2, बासौता, कुमरौधा, परखोत्तमपुर, मांडिया खुर्द, खेड़ा आलमपुर, चौकी नं.-1, कन्हौरा, आम्बोली व ढाणा धनिरवास गांवों के किसानों की सरसों खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

आज इन गांवों की होगी सरसों खरीद

रेवाड़ी अनाजमंडी में 30 अप्रैल को करावरा मानकपुर, आसियाकी गोरावास, नांगलिया रनमोख, चांदनवास, खेडा आलमपुर, नूरपुर, जैतपुर शेखपुर, जाट, जांटी, राजावास, करनावास, शादीपुर, नैनसुखपुरा मुंडावास, गंगायचा जाट, मस्तापुर, टहना दीपालपुर, रोहडाई, बासदूदा, मनेठी, नांगल जमालपुर, पाड़ला, नंदरामपुर बांस, मालाहेडा, कापड़ीवास, रोजका, बालियार कलां, बालियार खुर्द, बिहारीपुर, मसानी, खटावली, खलियावास, खोल, मंदौला, बोहका, श्रीनगर, ढाणी बाढ ठेठर, कोलाना, ऊंचा, रसूली, ततारपुर खालसा, जोनियावास, गुरदास माजरा, कोनसीवास, भठेडा, देहलावास, गुलाबपुरा, नांगल, मूंदी, बांस-बटौडी, खालेटा, कढ़ू, प्राणपुरा उर्फ गोपालपुर, नांगला मायण, मायण, अहरोद, चिताडूंगरा, माजरा मुस्तिल भालखी, भालखी, पाली, गोठडा टप्पा खोरी तथा बावल अनाजमंडी में 30 अप्रैल को खुरर्मपुर, इब्राहिमपुर आदि गांवों की खरीद होगी।

विस्फोटक पदार्थों के मामले में तीन गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। सीआईए पुलिस टीम ने अवैध माइनिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सतनाली क्षेत्र से भारी मात्रा में विस्फोटक सामान बरामद किया है, पुलिस ने 391.96 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ, 190 डेटोनेटर और 750 मीटर वायर बरामद कर जब्त किए हैं।

सूचना

मैं, मनीषा कुमारी पत्नी हवलदार संदीप कुमार न.17015612N निवासी गांव जैतपुर पो.आ.छपार तह. व जिला झज्जर हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम मनीषा दर्ज है। जबकि मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम मनीषा कुमारी दर्ज है। दोनों नाम मनीषा एवं मनीषा कुमारी मुझ एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मेरा नाम मनीषा कुमारी रहेगा।

खबर संक्षेप

बदमाशों ने पेट्रोल पंप के सेल्समैन पर किया हमला

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित खरखड़ा कट स्थित पेट्रोल पंप पर सोमवार की अलसुबह हथियारों से लैस होकर पहुंचे 5 बदमाशों ने सेल्समैनों पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर बदमाश फरार हो गए और लूट की वारदात को अंजाम नहीं दे पाए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में नैचाना के मोनू कुमार ने बताया कि दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित खरखड़ा कट के पास उसने पेट्रोल पंप खोला हुआ है। बीती रात को पंप पर संदीप कुमार, राजसिंह, तरुण यादव व विनोद ड्यूटी पर थे। सुबह 4 बजे दो बाइकों पर सवार होकर 5 बदमाश पेट्रोल पंप पर पहुंचे, जिनके हाथों में रॉड व फरसानुमा हथियार थे। उन्होंने सेल्समैनों पर हमला कर दिया। सेल्समैनों ने कुर्सियों से अपना बचाव किया और शोर मचा दिया, जिसके बाद आरोपी सेल्समैनों को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। हमला लूट या अन्य कारणों से किया गया है, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खेत में खड़े हरे चारे पर चलाया ट्रैक्टर, केस दर्ज

डहीना। गांव डहीना में खेत में खड़े हरे चारे को ट्रैक्टर से नष्ट कर दिया गया। डहीना चौकी पुलिस को दी शिकायत में डहीना के अनूम ने बताया कि उसने दो किसानों का खेत पट्टे पर लिया हुआ है और फिलहाल उसने खेत में हरा चारा उगाया हुआ है। 26 अप्रैल को गांव का ही एक युवक ट्रैक्टर लेकर पहुंचा और खेत में खड़े हरे चारे का नष्ट कर दिया। उसने खेत में पहुंचकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट में चल रहे केस में फैसला करने की दी धमकी

रेवाड़ी। कोर्ट में विचाराधीन एक मामले में फैसला करने को लेकर आरोपी ने पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी शिकायत में शहर के विजय नगर के सचिन यादव ने बताया कि बीती शाम को उसके फेसबुक आईडी पर वाइस कॉल आई, जिसे उसने पहले इग्नोर कर दिया, लेकिन जब बार-बार कॉल आती रही तो उसने कॉल उठा ली। कॉल करने वाले ने गाली-गलौच करते हुए उसे अपने भांजे के खिलाफ दर्ज केस फैसला करने को कहा तथा बात न मानने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पशुपालकों से शहर को कैटल फ्री करने का मांगा सहयोग

नप का शहर को गोवंश मुक्त करने का दावा, फर्म ने अभी तक 80 गोवंश पकड़कर गोशाला में छोड़े

पशु पकड़े जाने पर पशुपालकों पर लगेगा 5 हजार रुपये का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद की ओर से शहर को गोवंश मुक्त करने का अभियान अब गति पकड़ने लगा है। एजेंसी को ठेका देने के बाद नगर परिषद के अधिकारी शहर की सड़कों को गोवंश से मुक्त करने का दावा करने लगे है। गोवंश पकड़ने का ठेका लेने वाली फर्म रोजाना सड़क पर घूमते पशुओं को पकड़ने का काम कर रही है। शहर में लंबे समय से मुख्य मार्गों, कॉलोनियों व मोहल्लों में हर तरफ गोवंश का जमावड़ा लगा हुआ था। इन गोवंश की उग्रता के कारण सड़कों पर काफी लोगों को शिकार भी बन चुके है। नगर परिषद की ओर से गोवंश को पकड़ने के लिए रॉयल एंटरप्राइजेज नाम की फर्म को एक साल का ठेका दिया गया है। टेंडर देने के बाद फर्म ने गोवंश पकड़ने का कार्य भी शुरू कर दिया है। एजेंसी की ओर से अब तक सड़कों पर घूमते 80 गोवंश पकड़े जा चुके है। एजेंसी की ओर से इन गोवंश को पकड़कर गोशाला में छोड़ा जा रहा है। काफी समय से ठेका नहीं देने के कारण शहर की सड़कों पर गोवंश की संख्या काफी बढ़ गई थी। इन गोवंश में सांड भी काफी अधिक संख्या में हो गए है, जोकि आपस में लड़ाई करते हुए कई बार लोगों को घायल व वाहनों का क्षतिग्रस्त कर चुके है। इसके अलावा शहर व गांव के लोगों की ओर से सड़कों पर बछड़े भी छोड़े हुए है। यह गोवंश पूरे दिन या तो शहर की सड़कों पर बैठे रहते है या फिर कचरे में मुंह मारते रहते है।

रेवाड़ी। एजेंसी की ओर से गाड़ी में पकड़े गए गोवंश व सेक्टर-5 से गोवंश पकड़ते हुए टीम। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। पुराने कोर्ट रोड पर कचरे के पास जमा गोवंश। फोटो :हरिभूमि

पशुओं को खुले में न छोड़ने का आग्रह

एजेंसी को प्रति गाय पकड़ने के लिए 2050, सांड के लिए 2450 व एक बछड़े को पकड़ने के लिए 1750 रुपये का ठेका किया गया है। नगर परिषद द्वारा गौवंश को पकडने की दिशा में कार्य शुरू हो चुका है। नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक व मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने कहा कि एजेंसी को टेंडर देने के बाद गोवंश पकड़ने का कार्य शुरू हो चुका है। जल्द ही शहर गोवंश से मुक्त किया जाएगा। उन्होंने शहर के सभी पशुपालकों से भी अपने पशुओं को खुले में न छोड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि शहर को कैटल फ्री बनाने में नगर परिषद का सहयोग करे।

फुटपाथ व सड़कों पर बांधे जा रहे पशु

शहर में कई जगह पशुपालक अपने पशुओं को फुटपाथ, सड़क व पार्क में बांधकर व्यवस्था बिगाड़ रहे है, जिससे शहर का सौन्दर्य बिगड़ने के साथ सड़क पर यातायात भी बाधित होता है। शहर के मिनी बाइपास पर लंबे समय से लोग अपने पशुओं को सड़क व फुटपाथ पर बांध रहे है। इसके अलावा ब्रास मार्केट स्थित वीर सावरकर पार्क में भी पशु बांधे जा रहे है। नगर परिषद मिनी बाइपास पर पशुओं को हटाने के लिए पिछले दिनों कई बार कार्रवाई भी कर चुकी है। कार्रवाई के बाद पशुपालक कुछ समय तो सड़क से पशु हटा लेते है, इसके बाद मामला ठंडा पड़ते ही पशु फिर सड़क पर बंधने शुरू हो जाते है।

पांच हजार का भरना होगा जुर्माना

शहर की सड़कों पर घूमते ज्यादातर गोवंश पालतू है। पशुपालकों की ओर से सुबह-शाम पशुओं को दूध दोहने के बाद शहर की सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, जिसके बाद यह गोवंश लोगों के लिए परेशानी का सबब बन जाते है और यातायात भी बाधित करते है। नगर परिषद की ओर से पशुपालकों की ओर से सड़कों पर छोड़े गए गोवंश के पकड़े जाने पर छुड़वाने के लिए 5000 रुपये जुर्माना राशि निर्धारित की गई है। पशु मालिक को अपने पशु को छुड़वाने के लिए नगर परिषद से 5000 रुपये की रसीद कटवानी होगी, तभी पशु छोड़ा जाएगा। यदि कोई भी दूध दोहने के बाद अपना पशु खुले में छोड़ता है तो उसे पकड़कर गोशाला भेज दिया जाएगा।

कैंप में 65 लोगों की आंखें जांची

■ बारह लोगों में मिली मोतियाबिंद की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

सामाजिक संस्था मैनिटी कोसली की ओर से गांव खुशपुरा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 65 बुजुर्गों, बच्चों व महिलाओं ने आंखों की जांच कराई। 12 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद की शिकायत मिली, जिन्हें जल्द ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। 28 लोगों को दृष्टि दोष से पीड़ित पाया गया, जिन्हें मौके पर ही चश्मे का नंबर दिया गया। अधिकतर पुरुषों व महिलाओं में एलर्जिक कंजेक्टिवाइटिस की शिकायत पाई गई, उन्हें निशुल्क दवाइयां दी गई। इस अवसर पर चिकित्सकों ने बताया कि तापमान बढ़ने के कारण अधिकतर लोगों में आंखों की तकलीफ बढ़ जाती है। लोगों को आंखों की देखभाल से संबंधित टिप्स भी दिए गए। धूप में जाते समय चश्मा लगाने, अधिक पानी पीने तथा संतुलित आहार खाने की सलाह दी गई। इस अवसर पर संस्था की डा. सुषमा यादव, डा. सतवीर, धर्मवीर व नवनीत मौजूद थे।

रेवाड़ी। शिविर में महिला की आंखों की जांच करते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

हर विद्यालय में पहेली कॉर्नर बनाएं शिक्षक

■ खंड जाटूसाना में चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का हुआ प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाटूसाना

खंड जाटूसाना में सोमवार से बच्चों की बुनियादी भाषा ज्ञान और आधारभूत गणितीय संख्याज्ञान की क्षमता को विकसित करने के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों की ओर से प्राथमिक अध्यापकों को निपुण भारत कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा चार व पांच के विद्यार्थियों को भी भाषा एवं संख्या ज्ञान देने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उपनिदेशक एनसीईआरटी गुरुग्राम से वीरेंद्र सिंह नारा ने प्रशिक्षण शिविर में चार स्तरीय शिक्षण विधि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अध्यापक विभिन्न पहेलियों के माध्यम से बच्चों के दिमाग को विकसित कर सकते हैं, जिसमें मुख्य रूप से कश्मीरी पहेली वर्ग व हरबंस पहेली तथा अध्यापकों की ओर से भी समय-समय पर अनेक प्रकार की पहेलियां बनाई जाए। उन्होंने अध्यापकों से बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए हर विद्यालय में एक पहेली कॉर्नर बनाने का आह्वान किया। उपनिदेशक ने सभी विद्यालय अध्यापकों की प्रशिक्षण सामग्री को भी जांचा। जिला समन्वयक चरण सिंह ने अध्यापकों से प्रशिक्षण में सीखी गई विधियों को अपने विद्यालयों में बच्चों के भाषा ज्ञान एवं गणितीय संख्या ज्ञान की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयोग करने का आग्रह किया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर के रूप में शुभकरण, संजय, राजेंद्र, विकास, प्रियंका व सपना उपस्थित थे। विद्यालय के मुख्य अध्यापक नरेंद्र कुमार ने उपनिदेशक, जिला समन्वयक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अधीक्षक देवेंद्र सिंह व खंड संसाधन कार्यालय से लेखाकार विवेक भारद्वाज का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्यापकों को जानकारी देते हुए।

रेवाड़ी। प्राचार्य दुर्गादास का सम्मान करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सेवानिवृत्त हुए प्राचार्य का किया सम्मान

कोसली। गांव सादत नगर मे प्राचार्य दुर्गादास की सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पूर्व मंत्री बिक्रम यादव व पूर्व जिला प्रमुख सुरेश देवी ने प्राचार्य का सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दी। दुर्गादास 58 साल की उम्र में अपनी पूरी नौकरी सच्चाई व ईमानदारी से पूरी कर काकोड़िया स्कूल से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बिक्रम यादव ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते है। शिक्षक एक कर्तव्य को पूरा करके दूसरे कर्तव्य के लिये हमेशा तैयार रहते है। इस अवसर पर ग्रामीण व स्कूल स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

संयोगिता, आशा व रितिका चुनी गई मिस फेयरवेल

■ महिला रीजनल सेंटर में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बीए तथा एमए अंतिम वर्ष की छात्राओं को मिस फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम का आयोजन जागृति, कोमल, रितिका व मुस्कान के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में बीए अंतिम वर्ष की छात्रा संजोगिता, बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा आशा तथा बीकॉम ऑनर्स से अंतिम वर्ष की छात्रा रीतिका तथा एमए पॉलिटिकल साइंस अंतिम वर्ष की छात्रा रेनू तथा एमए इंग्लिश अंतिम वर्ष की छात्रा मोनिका को मिस फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका सुनीता यादव, पूजा यादव व नीलम यादव ने निभाई। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। रीजनल सेंटर के निदेशक प्रो. बलबीर सिंह ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उम्मीद जताई कि सभी एक सुंदर समाज और राष्ट्र का निर्माण में योगदान देकर अपने माता-पिता, गुरुजनों व संस्था का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर डा. अनिल कुमार, डा. अनीता देवी, अंजली यादव, डा. रेनू यादव, डा. योगेंद्र, प्रवेश भारद्वाज, डा. राकेश, प्रदीप, सोनिया यादव, डा. प्रदीप, अंजलि पांचाल, मंजू रानी, विपुल यादव, ज्योति, सनिता, सविता, मधुबाला, बिंदु, अंजू, निर्मला, सुशीला, वीरेंद्र व रविंद्र उपस्थित थे।

रेवाड़ी। मिस फेयरवेल चुनी गई छात्राओं को सम्मानित करते निदेशक। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। गोवंश को गुड़ खिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

सनातन संस्कृति में गोमाता की पूजा का विशेष महत्व : अनीता

कुंड। गांव पीथड़ावास की सरपंच अनीता शर्मा व मोहित कुमार ने कुतुबपुर स्थित गोशाला में गायों को गुड़ व चारा खिलाकर अपनी शादी की सालगिरह मनाई। सरपंच अनीता शर्मा ने कहा कि हमें सभी जीवों के प्रति सेवा भाव रखना चाहिए। सनातन संस्कृति में गोमाता की पूजा का विशेष महत्व है। गाय में सभी देवी देवताओं का वास माना जाता है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गोमाता सभी को स्वस्थ और सुखी जीवन प्रदान करने में मदद करती है। संतरा देवी, समाजसेवी राधेश्याम जांगिड़, भरपाई देवी पूर्व पंच, पूनम देवी, शिक्षक महेश कुमार व मुकेश कुमार, पूजा बाई, नितेश कुमार व सपना देवी सहित सभी ग्रामवासियों ने सरपंच को शुभकामनाएं दी।

राजनीति | रघु यादव सक्रिय राजनीति में रहते हुए बार-बार बदलते रहे दल, अब बेटे सृजन ने चाचा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की पार्टी छोड़ी

..पिता से चार कदम आगे निकले सृजन, राजनीति में कदम रखते ही बदला दल

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

वर्ष 1987 में रेवाड़ी हलके से पहली बार लोकदल की टिकट पर विधायक बनकर कुछ समय बाद ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर रघु यादव को दूसरी बार चुनाव जीतने का मौका नहीं मिला। वह कई बार दल बदलकर लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े। दूसरे प्रत्याशियों के समीकरण भी बिगाड़े, लेकिन खुद जीत हासिल नहीं कर सके। उनके बेटे व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के भतीजे सृजन यादव ने कुछ समय पूर्व भाजपा में सक्रियता दिखाना शुरू किया था। अब उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा में आस्था जताते हुए राजनीति की दहलीज पर कदम रखते ही दल बदलने की परिपाटी को आगे बढ़ा दिया है। रघु यादव के इस्तीफे के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस से कैप्टन अजय सिंह यादव को पहली बार 1989 में जीत हासिल करने का मौका मिला था। इसके बाद कैप्टन ने इस हलके में लगातार एक ही पार्टी से 6 बार विधायक बनने का रिकॉर्ड बना दिया। रघु यादव इसके बाद चुनाव जीतने में कामयाब नहीं हुए। जलयुद्ध के नायक के नाम से खास पहचान रखने वाले रघु यादव ने दक्षिणी हरियाणा में नहरी पानी की लड़ाई खुलकर लड़ी थी। चौ. भजनलाल की सरकार में नारनौल के आईटीआई मैदान में उन पर हुए लाठीचार्ज और फायरिंग में बुरी तरह घायल हो गए थे। उन्हें काफी दिनों में होश आया था। उसके बाद उन्हें 'जिंदा शहीद' के नाम से पहचान मिली। रघु यादव ने न सिर्फ बार-बार पार्टियां बदलीं, वह लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र भी बदलते रहे। एक बार विधायक पद छोड़ने के बाद उन्हें दूसरी बार विधानसभा में जाने का मौका नहीं मिला। उनके विभिन्न दलों के दिग्गज नेताओं के साथ अच्छे संबंध बने रहे। सर्वजातीय जनता पंचायत के नाम से उनका मोर्चा लंबे समय तक पूरे अहीरवाल में सक्रिय रहा।

रेवाड़ी। चंडीगढ़ में कांग्रेस ज्वाइन करते सृजन यादव। फोटो :हरिभूमि

इतिहास दोहराने की तैयारी में सृजन

रघु यादव के बेटे सृजन यादव ने जिस तरह से थोड़ा समय भाजपा में बिताने के बाद कांग्रेस ज्वाइन की है, उससे यह संकेत मिल रहे हैं कि बेटा अपने पिता का इतिहास दोहराने के लिए आगे बढ़ रहा है। जिस पिता की छोड़ी हुई सीट पर कैप्टन अजय सिंह यादव ने कब्जा जमाया था, उसे हासिल करने के लिए सृजन कांग्रेस विधायक चिरंजीव राव का विकल्प बनने के लिए तैयार हैं। उन्हें कांग्रेस ज्वाइन कराकर हुड्डा ने कैप्टन के गढ़ में अपनी उपस्थिति मजबूत करने का प्रयास किया है। इस हलके में इसे हुड्डा खेमे में नए विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशियों का साथ निभाएंगे

सोमवार को चंडीगढ़ में कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद सृजन यादव ने कहा कि उनके पिता का पूरे अहीरवाल क्षेत्र यानि दक्षिणी हरियाणा में आज भी व्यापक प्रभाव है। पिता के समर्थकों के साथ उन्होंने युवाओं की मजबूत टीम तैयार की है। अब यह टीम प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए पक्ष में लोकसभा चुनावों में जमकर प्रचार करेगी। वह कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने की दिशा में काम करेंगे। बहरहाल देखना यह होगा कि शुरूआत में ही पार्टी बदलने वाले सृजन कितना स्थायित्व बनाए रखते हैं।